न्यायालय अपर समाहर्त्ता, गिरिडीह।
(जिला राजस्व शाखा)
विविध वाद सं0–03/2022–23

श्री अशोक मंडल
– बनाम –
श्री राजकिशोर महतो एवं वगैरह

आदेश की क्रम सं0 और तिथि		आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी की तिथि सहित
1	2	3
18.07.2025	अभिलेख उपस्थापित। यह वाद अपीलार्थी अशोक मण्डल, पिता स्व0 बसुदेव मण्डल, साकिन महदैया, पो0 मोतीलेदा, थाना बेंगाबाद, जिला गिरिडीह के अधिवक्ता द्वारा न्यायालय भूमि सुधार उप समाहर्त्ता, गिरिडीह के ऑनलाईन विविध अपील वाद संख्या–04/2021–22 (श्री अशोक मण्डल बनाम श्री राजकिशोर महतो) में दिनांक 04.08.2022 को पारित आदेश के विरूद्ध अपील दायर किया गया। जिससे वाद पंजीकृत कर उभय पक्षों को नोटिस निर्गत किया गया। सुनवाई की विभिन्न तिथियों में उभय पक्षों को सुना गया तथा उभय पक्षों द्वारा दावे/आपत्ति से संबंधित दाखिल दस्तावेजों का अवलोकन किया गया। विज्ञ भूमि सुधार उप समाहर्त्ता, गिरिडीह द्वारा पारित आदेश का अध्ययन किया गया। जिसमें न्यायालय भूमि सुधार उप समाहर्त्ता, गिरिडीह के ऑनलाईन विविध अपील वाद संख्या–04/2021–22 (श्री अशोक मण्डल बनाम श्री राजकिशोर महतो) में दिनांक 04.08.2022 को पारित आदेश में उल्लेख किया गया कि संबंधित वाद भू–हदबंदी वाद है, जो उक्त वाद को पूर्व में वाद सं0–71/2002–03 मामले में दिनांक 17.12.2012 को ही विज्ञ भूमि सुधार उप समाहर्त्ता, गिरिडीह के न्यायालय में निष्पादित हो चुका है। जिससे अपीलार्थी को सक्षम न्यायालय में अपील दायर करने का आदेश है। उपरोक्त दस्तावेजों के अवलोकन, परिशीलन एवं सूक्ष्म अध्ययन के उपरांत न्यायालय इस निष्कर्ष पर पहुँचती है कि अपीलार्थी द्वारा भू–हदबंदी वाद संख्या–71/2002–03 को जीवित रखने के मंशा से विज्ञ भूमि सुधार उप समाहर्त्ता, गिरिडीह के न्यायालय में ऑनलाईन विविध अपील वाद संख्या–04/2021–22 (श्री अशोक मण्डल बनाम श्री राजकिशोर महतो) दायर किया गया और जब उक्त न्यायालय में वाद को खारिज करने के उपरांत विविध आपील का प्रसंग देते हुए अपर समाहर्त्ता, गिरिडीह के न्यायालय में वाद दायर	

किया गया। जबकि वाद भू–हदबंदी से संबंधित है जिसे विविध वाद के तहत् सुनवाई करना नियमानुकूल प्रतीत नहीं होता है।

–: आदेश :–

उपरोक्त निष्कर्ष के आधार पर ज्ञात होता है कि यह वाद भू–हदबंदी से संबंधित है जिसमें वाद की प्रकृति को बदल कर विविध वाद के रूप में दाखिल किया गया है। अतः वाद की कार्रवाई समाप्त की जाती है।
लेखापित एवं संशोधित।

18.07.25

अपर समाहर्ता,
गिरिडीह।

18.07.25

अपर समाहर्ता,
गिरिडीह।

Digitally signed by localhost
Date: 2025.08.18 13:23:51 +05:30
Location: 192.168.137.1